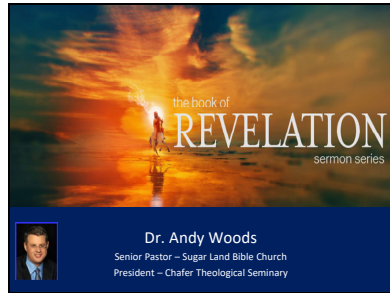


Slide 1



---

---

---

---

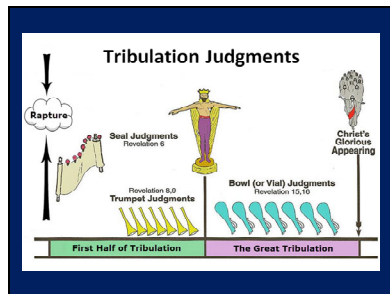
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 3

**Seven Trumpets**  
(Revelation 8-11)

- 1. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
- 2. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
- 3. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
- 4. 4<sup>th</sup> Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
- 5. 5<sup>th</sup> Trumpet (9:1-12) – Demons released
- 6. 6<sup>th</sup> Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed
- 7. **7<sup>th</sup> Trumpet (11:14-19) – Legal transfer announced**

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 4

**5 Non-Chronological Parenthetical Insertions**

Seals (Rev 7) 144,000 JEWS  
1 2 3 4 5 6 7

Trumpets (Rev 10-11) No Delay; 2 Witnesses  
1 2 3 4 5 6 7 (Rev 12-14) Israel's flight

Bowls (Rev 16:13-16) Armageddon  
1 2 3 4 5 6 7 (Rev 17-18) Babylon falls

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

**5 Non-Chronological Parenthetical Insertions**

1. Rev 7 – 144,000 Jews
2. Rev 10:1-11:13 – Announcement of no more delay and the two witnesses
3. Rev 12-14 – Israel's flight, two beasts, six scenes of hope
4. Rev 16:13-16 – Gathering of the nations to Armageddon
5. Rev 17:1-19:6 – Babylon's fall

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

**Revelation 11:15**

"Then the seventh angel sounded; and there were loud voices in heaven, saying, The kingdom of the world has become the kingdom of our Lord and of His Christ; and He will reign (*basileuō*) forever and ever." (cf. Matt. 6:10)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---


---

---

Slide 7



Revelation 12-14



- A. **Rev 12 – Israel's flight**
- B. Rev 13 – Two beasts
- C. Rev 14 – Six scenes of hope

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---


---

---

Slide 8



Revelation 12-14



- A. Rev 12 – Israel's flight
- B. **Rev 13 – Two beasts**
- C. Rev 14 – Six scenes of hope

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9

**Two Beasts**  
(Revelation 13)

1. First beast (13:1-10)
2. Second beast (13:11-18)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 10

**Two Beasts**  
(Revelation 13)

1. **First beast (13:1-10)**
2. Second beast (13:11-18)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11



**The First Beast**  
Revelation 13:1-10

1. His sudden appearance in John's vision (1a)
2. His Gentile ethnicity (1b)
3. His fulfillment of Daniel's prophecies (1c-2a)
4. His Satanic empowerment (2b)
5. His resurrection (3)
6. His power-based adoration (4)
7. His oratory (5a)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12



**The First Beast**  
Revelation 13:1-10

8. His time of authority (5b)
9. His blasphemies (6)
10. His persecution of God's people (7a)
11. His global jurisdiction (7b)
12. His unregenerate audience (8)
13. His oppressive influence (9-10)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

 **The First Beast**  
Revelation 13:1-10

- 1. **His sudden appearance in John's vision (1a)**
- 2. His Gentile ethnicity (1b)
- 3. His fulfillment of Daniel's prophecies (1c-2a)
- 4. His Satanic empowerment (2b)
- 5. His resurrection (3)
- 6. His power-based adoration (4)
- 7. His oratory (5a)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 14

**3 WARS**  
Revelation 12

- 1. WAR = PAST  
– Rev. 12:1-5
- 2. WAR = HEAVEN  
– Rev. 12:6-12
- 3. WAR = EARTH  
– Rev. 12:13-17



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15

 **The First Beast**  
Revelation 13:1-10

- 1. His sudden appearance in John's vision (1a)
- 2. **His Gentile ethnicity (1b)**
- 3. His fulfillment of Daniel's prophecies (1c-2a)
- 4. His Satanic empowerment (2b)
- 5. His resurrection (3)
- 6. His power-based adoration (4)
- 7. His oratory (5a)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 16



**The First Beast**  
Revelation 13:1-10

1. His sudden appearance in John's vision (1a)
2. His Gentile ethnicity (1b)
3. His fulfillment of Daniel's prophecies (1c-2a)
4. His Satanic empowerment (2b)
5. His resurrection (3)
6. His power-based adoration (4)
7. His oratory (5a)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 17

**Two Issues**  
(Revelation 13:1c-2a)

1. Ten Horns and Seven Heads (1c)
2. Four Animals (2a)




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 18

**Two Issues**  
(Revelation 13:1c-2a)

1. Ten Horns and Seven Heads (1c)
2. Four Animals (2a)




---

---

---

---

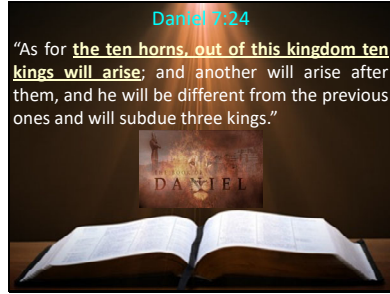
---

---

---

---

Slide 19



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 22

7 Kings or Kingdoms (Dan. 2:37-38)  
(Revelation 17:9-10)

1. Egypt
2. Assyria
3. Babylon
4. Persian
5. Greece
6. Rome I
7. Rome II



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 23

Two Issues  
(Revelation 13:1c-2a)

1. Ten Horns and Seven Heads (1c)
2. Four Animals (2a)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 24

Identification of the Four Kingdoms		IDENTIFICATION	CHRONOLOGY OF MAJOR EMPIRES IN DANIEL
VISION OF DANIEL CH. 2	VISION WICK 7	VISION WICK 8	476 B.C.
HEAD OF GOLD	LION	BABYLON #16	BABYLONIA 539 B.C. - 333 B.C.
CHEST AND ARMS OF SILVER	BEAR	ROMA	MEDO-PERSIA 333 B.C. - 30 B.C.
ARM AND SHOULDER OF BRONZE	LEOPARD	GOAT	GREECE (including Pergamon and Seleucia) 30 B.C. - 127 B.C. (Macedonian and Hellenistic)
LEGS OF IRON	TERRIFYING AND FRIGHTENING BEAST	ROME	127 B.C. - 476 A.D. ROME 476 A.D. - Fall of Justinian
FEET OF CLAY			

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 26



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 28

Two Issues  
(Revelation 13:3)

1. A national or individual resurrection?
2. An authentic resurrection?



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 29

Two Issues  
(Revelation 13:3)

1. A national or individual resurrection?
2. An authentic resurrection?



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

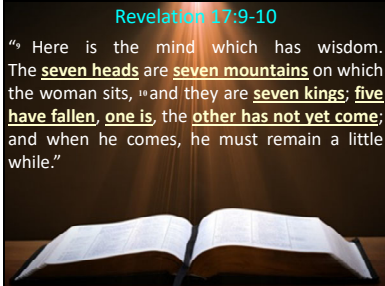
---

---

Slide 30

Revelation 17:9-10

“Here is the mind which has wisdom. The seven heads are seven mountains on which the woman sits, and they are seven kings; five have fallen, one is, the other has not yet come; and when he comes, he must remain a little while.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 31

**7 Kings or Kingdoms (Dan. 2:37-38)**  
(Revelation 17:9-10)

1. Egypt
2. Assyria
3. Babylon
4. Persian
5. Greece
6. Rome I
7. Rome II



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 32

**Revelation 13:14**  
"And he deceives those who dwell on the earth because of the signs which it was given him to perform in the presence of the beast, telling those who dwell on the earth to make an image to the beast who had the wound of the sword and has come to life."



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 33

**Two Issues**  
(Revelation 13:3)

1. A national or individual resurrection?
2. An authentic resurrection?



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34

The Plagues of Egypt			
NO.	DESCRIPTION	SCRIPTURE	IMITATION?
1.	Water to Blood	Exod. 7:14-25	Yes
2.	Frogs	Exod. 8:1-15	Yes
3.	Gnats	Exod. 8:16-19	No
4.	Flies	Exod. 8:20-32	No
5.	Disease on Cattle	Exod. 9:1-7	No
6.	Boils	Exod. 9:8-12	No
7.	Hail	Exod. 9:13-35	No
8.	Locusts	Exod. 10:1-20	No
9.	Darkness	Exod. 10:21-29	No
10.	Death of the First Born	Exod. 12:29-36	No

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 35

**John F. Walvoord**  
John F. Walvoord, "Revelation," in Bible Knowledge Commentary, ed. John F. Walvoord and Roy B. Zuck (Colorado Springs, CO: Victor, 1983), 963

"Another plausible explanation is that the final world ruler receives a wound which normally would be fatal but is miraculously healed by Satan. While the resurrection of a dead person seems to be beyond Satan's power, the healing of a wound would be possible for Satan, and this may be the explanation. The important point is that the final world ruler comes into power obviously supported by a supernatural and miraculous deliverance by Satan himself."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 36

**Revelation 13:14**

"And he deceives those who dwell on the earth because of the signs which it was given him to perform in the presence of the beast, telling those who dwell on the earth to make an image to **the beast** who had the wound of the sword and **has come to life [zaō]**."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 37

Revelation 2:8

“And to the angel of the church in Smyrna write: The first and the last, who was dead, and has come to life [zaō], says this.”



---

---

---

---

---

---

---

---

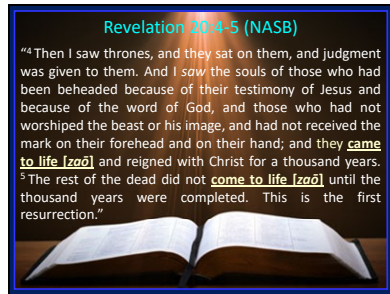
---

---

Slide 38

Revelation 20:4-5 (NASB)

<sup>4</sup>Then I saw thrones, and they sat on them, and judgment was given to them. And I saw the souls of those who had been beheaded because of their testimony of Jesus and because of the word of God, and those who had not worshiped the beast or his image, and had not received the mark on their forehead and on their hand; and they came to life [zaō] and reigned with Christ for a thousand years. <sup>5</sup>The rest of the dead did not come to life [zaō] until the thousand years were completed. This is the first resurrection.”



---

---

---

---

---

---

---

---

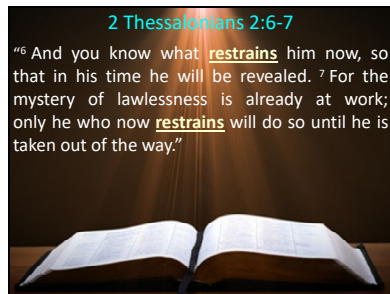
---

---

Slide 39

2 Thessalonians 2:6-7

<sup>6</sup>And you know what restrains him now, so that in his time he will be revealed. <sup>7</sup>For the mystery of lawlessness is already at work; only he who now restrains will do so until he is taken out of the way.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 40

 **The First Beast**  
Revelation 13:1-10

1. His sudden appearance in John's vision (1a)
2. His Gentile ethnicity (1b)
3. His fulfillment of Daniel's prophecies (1c-2a)
4. His Satanic empowerment (2b)
5. His resurrection (3)
6. **His power-based adoration (4)**
7. His oratory (5a)

---

---

---

---

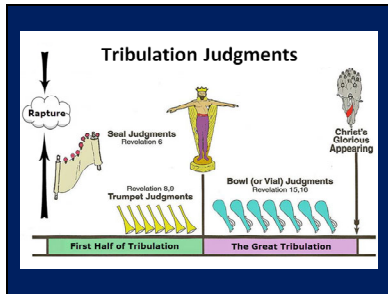
---

---

---

---

Slide 41




---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 42

**1<sup>st</sup> Six Seals (Revelation 6)**

1. **6:1-2 – Advent of antichrist**
2. 6:3-4 – War
3. 6:5-6 – Famine
4. 6:7-8 – Death
5. 6:9-11 – Martyrdoms
6. 6:12-17 – Cosmic disturbances




---

---

---

---

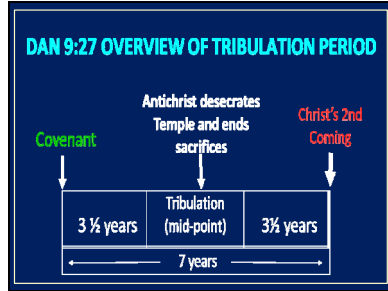
---

---

---

---

Slide 43



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

**CAST OF 3 CHARACTERS**  
Revelation 12:1-5

1. SON = MESSIAH  
– Ps. 2:9; Acts 1:9
2. DRAGON = SATAN  
– Rev. 12:9; 20:2
3. WOMAN = ISRAEL  
– Gen. 37:9-10

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 45

**The First Beast**  
Revelation 13:1-10

1. His sudden appearance in John's vision (1a)
2. His Gentile ethnicity (1b)
3. His fulfillment of Daniel's prophecies (1c-2a)
4. His Satanic empowerment (2b)
5. His resurrection (3)
6. His power-based adoration (4)
7. His oratory (5a)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46

**Erwin Lutzer**  
Erwin W. Lutzer, *Hitler's Cross: How the Cross Was Used to Promote the Nazi Agenda* (Chicago: Moody, 2016), 83.

"Earnest Pretzsch...introduced him [Hitler] to a psychedelic drug that produced clairvoyant visions and heightened spiritual perceptions. In this way he was empowered to perform the deeds that he believed fate had decreed. Even those who knew Hitler from his early days were well aware of his occult powers. August Kubizek, a friend, said, 'It was as if another being spoke out of his body.... It was not a case of a speaker carried away by his own words...I felt as though he himself listened with astonishment and emotion to what broke forth from him.'"

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 47

**The First Beast**  
Revelation 13:1-10

8. His time of authority (5b)
9. His blasphemies (6)
10. His persecution of God's people (7a)
11. His global jurisdiction (7b)
12. His unregenerate audience (8)
13. His oppressive influence (9-10)

---

---

---

---

---

---

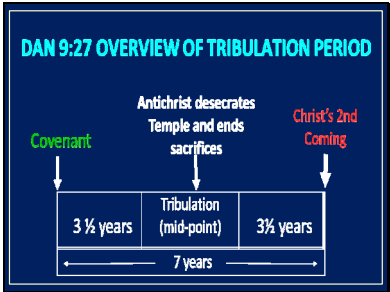
---

---

---

---

Slide 48




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 49




---



---



---



---



---

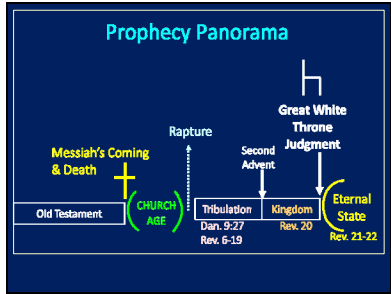


---



---

Slide 50




---



---



---



---



---



---



---

Slide 51

The First Beast  
Revelation 13:1-10

- 8. His time of authority (5b)
- 9. His blasphemies (6)
- 10. His persecution of God's people (7a)
- 11. His global jurisdiction (7b)
- 12. His unregenerate audience (8)
- 13. His oppressive influence (9-10)

---



---



---



---



---



---



---

Slide 52

What (or Who) Does the Beast BlaspHEME?  
(Rev. 13:6)

- A. God (Rev. 4:9; 5:6-7)
- B. God's Name (Isa. 29:23; Ezek. 36:23)
- C. God's Tabernacle (Rev. 11:19; 15:5)
- D. Heaven Dwellers (Rev. 5:11; 7:11)
  - 1. Myriads of Angels
  - 2. Four Living Creatures
  - 3. Church (Rev. 1:20; 4:5)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 53

What (or Who) Does the Beast BlaspHEME?  
(Rev. 13:6)

- A. God (Rev. 4:9; 5:6-7)
- B. God's Name (Isa. 29:23; Ezek. 36:23)
- C. God's Tabernacle (Rev. 11:19; 15:5)
- D. Heaven Dwellers (Rev. 5:11; 7:11)
  - 1. Myriads of Angels
  - 2. Four Living Creatures
  - 3. Church (Rev. 1:20; 4:5)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 54

What (or Who) Does the Beast BlaspHEME?  
(Rev. 13:6)

- A. God (Rev. 4:9; 5:6-7)
- B. God's Name (Isa. 29:23; Ezek. 36:23)
- C. God's Tabernacle (Rev. 11:19; 15:5)
- D. Heaven Dwellers (Rev. 5:11; 7:11)
  - 1. Myriads of Angels
  - 2. Four Living Creatures
  - 3. Church (Rev. 1:20; 4:5)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 55

What (or Who) Does the Beast BlaspHEME?  
(Rev. 13:6)

- A. God (Rev. 4:9; 5:6-7)
- B. God's Name (Isa. 29:23; Ezek. 36:23)
- C. **God's Tabernacle (Rev. 11:19; 15:5)**
- D. Heaven Dwellers (Rev. 5:11; 7:11)
  1. Myriads of Angels
  2. Four Living Creatures
  3. Church (Rev. 1:20; 4:5)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 56

What (or Who) Does the Beast BlaspHEME?  
(Rev. 13:6)

- A. God (Rev. 4:9; 5:6-7)
- B. God's Name (Isa. 29:23; Ezek. 36:23)
- C. God's Tabernacle (Rev. 11:19; 15:5)
- D. **Heaven Dwellers (Rev. 5:11; 7:11)**
  1. Myriads of Angels
  2. Four Living Creatures
  3. Church (Rev. 1:20; 4:5)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

What (or Who) Does the Beast BlaspHEME?  
(Rev. 13:6)

- A. God (Rev. 4:9; 5:6-7)
- B. God's Name (Isa. 29:23; Ezek. 36:23)
- C. God's Tabernacle (Rev. 11:19; 15:5)
- D. Heaven Dwellers (Rev. 5:11; 7:11)
  1. **Myriads of Angels**
  2. Four Living Creatures
  3. Church (Rev. 1:20; 4:5)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 58

**What (or Who) Does the Beast Blaspeme?**  
(Rev. 13:6)

- A. God (Rev. 4:9; 5:6-7)
- B. God's Name (Isa. 29:23; Ezek. 36:23)
- C. God's Tabernacle (Rev. 11:19; 15:5)
- D. Heaven Dwellers (Rev. 5:11; 7:11)**
  - 1. Myriads of Angels
  - 2. Four Living Creatures
  - 3. Church (Rev. 1:20; 4:5)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 59

**What (or Who) Does the Beast Blaspeme?**  
(Rev. 13:6)

- A. God (Rev. 4:9; 5:6-7)
- B. God's Name (Isa. 29:23; Ezek. 36:23)
- C. God's Tabernacle (Rev. 11:19; 15:5)
- D. Heaven Dwellers (Rev. 5:11; 7:11)**
  - 1. Myriads of Angels
  - 2. Four Living Creatures
  - 3. Church (Rev. 1:20; 4:5)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 60

<b>Twenty-Four Elders (Church)</b> (Rev. 4:4; 5:8-10)	
DESCRIPTION	SCRIPTURE
1. Crowned	(2:10)
2. Resurrected	(4:4)
3. Clothed in White	(3:5)
4. Redeemed	(5:8-10)
5. Global	(5:9; Matt. 28:19)
6. Enthroned	(3:21)
7. Elders	(1 Tim. 3:1-7)
8. Kingdom of Priests	(Rev. 1:6)
9. Twenty-four	(Rev. 1:6)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

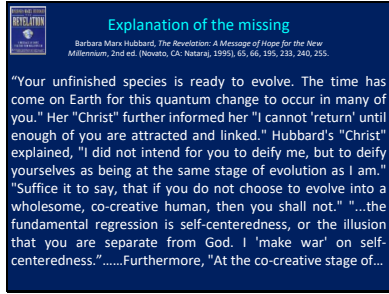
---

---

---



Slide 64



**Explanation of the missing**  
 Barbara Marx Hubbard, *The Revelation: A Message of Hope for the New Millennium*, 2nd ed. (Novato, CA: Natara, 1995), 65, 66, 195, 233, 240, 255.

"Your unfinished species is ready to evolve. The time has come on Earth for this quantum change to occur in many of you." Her "Christ" further informed her "I cannot 'return' until enough of you are attracted and linked." Hubbard's "Christ" explained, "I did not intend for you to deify me, but to deify yourselves as being at the same stage of evolution as I am." "Suffice it to say, that if you do not choose to evolve into a wholesome, co-creative human, then you shall not." "...the fundamental regression is self-centeredness, or the illusion that you are separate from God. I 'make war' on self-centeredness." .....Furthermore, "At the co-creative stage of..."

---

---

---

---

---

---

---

---

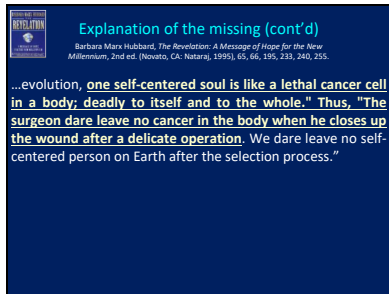
---

---

---

---

Slide 65



**Explanation of the missing (cont'd)**  
 Barbara Marx Hubbard, *The Revelation: A Message of Hope for the New Millennium*, 2nd ed. (Novato, CA: Natara, 1995), 65, 66, 195, 233, 240, 255.

...evolution, **one self-centered soul is like a lethal cancer cell in a body; deadly to itself and to the whole.** Thus, **"The surgeon dare leave no cancer in the body when he closes up the wound after a delicate operation. We dare leave no self-centered person on Earth after the selection process."**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 66



**The First Beast**  
 Revelation 13:1-10

- 8. His time of authority (5b)
- 9. His blasphemies (6)
- 10. **His persecution of God's people (7a)**
- 11. His global jurisdiction (7b)
- 12. His unregenerate audience (8)
- 13. His oppressive influence (9-10)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 67

Distinctions Between 144,000 & Multitude	
144,000	MULTITUDE
Revelation 7:1-8	Revelation 7:9-17
Numbered	Innumerable
Jews	All nations
Sealed	Slain
Sealed <b>before</b> the Tribulation	Converted <b>out of</b> the Tribulation
<small>Hitchcock and Ice, <i>The Truth Behind Left Behind</i>, 77</small>	

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 68



---

---

---

---

---

---

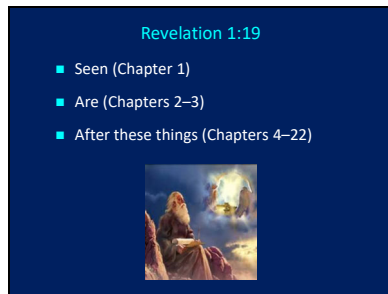
---

---

---

---

Slide 69



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 70

Psalm 50:5 (NKJV)

"Gather My saints together to Me,  
Those who have made a covenant with Me by  
sacrifice."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 71

Psalm 149:1 (NKJV)

"Praise the Lord! Sing to the Lord a new song,  
And His praise in the assembly of saints."



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 72

Matthew 16:18

"I also say to you that you are Peter, and upon  
this rock I will build [*oikodomeō*] My church;  
and the gates of Hades will not overpower it."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 73



**The First Beast**  
Revelation 13:1-10

8. His time of authority (5b)
9. His blasphemies (6)
10. His persecution of God's people (7a)
11. His global jurisdiction (7b)
12. His unregenerate audience (8)
13. His oppressive influence (9-10)

---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 74

**Daniel 7:23**

“Thus he said: ‘The fourth beast will be a fourth kingdom on the earth, which will be different from all the other kingdoms and will devour the whole earth and tread it down and crush it.’”




---



---



---



---



---



---



---



---



---




---

Slide 75

**Place of Hebrew Refuge:**  
Petra in Mt. Seir in S. Jordan

1. Prepared by God (Rev. 12:6)
2. Divine provision of food & water (Isa. 33:16; Rev. 12:6)
3. Wilderness (Rev. 12:6, 14)
4. Mountains (Isa. 33:16; Matt. 24:16)
5. Defensible (Isa. 33:16)
6. Jordan (Dan. 11:41)
7. Bozrah (Micah 2:12)



Fruchtenbaum, Footsteps of the Messiah, 294-97

---



---



---



---



---



---



---



---

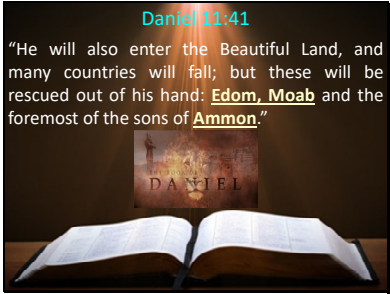


---



---

Slide 76



---

---

---

---

---

---

---

---

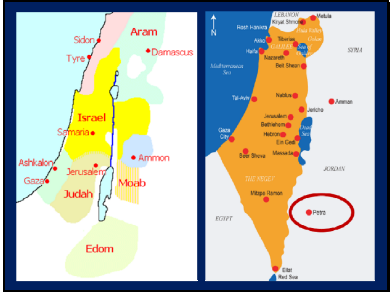
---

---

---

---

Slide 77



---

---

---

---

---

---

---

---

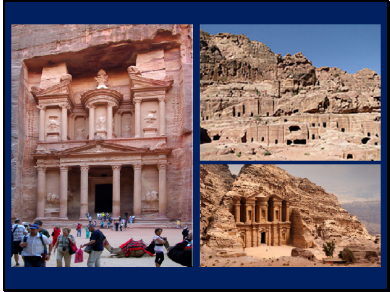
---

---

---

---

Slide 78



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 79



**Arnold Fruchtenbaum**  
*Footsteps of the Messiah, Page 296-97*

"Another suggestion is the city now known as Petra...this author prefers the identification with Petra. Petra is located in a basin within Mount Seir, and is totally surrounded by mountains and cliffs. The only way in and out of the city is through a narrow passageway that extends for about a mile and can only be negotiated by foot or by horseback. This makes the city easy to defend, and its surrounding high cliffs give added meaning and confirmation to Isaiah 33:16. Only a few abreast can enter through this passage at any one time, giving this city even greater defensibility."

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 80



**Arnold Fruchtenbaum**  
*Footsteps of the Messiah, Page 296-97*

"The name Bozrah means 'sheepfold.' An ancient sheepfold had a narrow entrance so that the shepherd could count his sheep. Once inside the fold, the sheep had more room to move around. Petra is shaped like a giant sheepfold, with its narrow passage opening up to a spacious circle surrounded by cliffs. This is not true of the town of Buseira. Furthermore, by modern Petra is a site known as Butzeira, which retains the Hebrew Bozrah...It will be a very defensible city located in Mount Seir...Furthermore, as they flee and while they are living there, food and water will be miraculously provided."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 81



**The First Beast**  
*Revelation 13:1-10*

- 8. His time of authority (5b)
- 9. His blasphemies (6)
- 10. His persecution of God's people (7a)
- 11. His global jurisdiction (7b)
- 12. His unregenerate audience (8)
- 13. His oppressive influence (9-10)

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 82



“...one of the mistakes that human beings make is believing that there is only one way. We don't accept that there are diverse ways of being in the world; that there are millions of ways to be a human being. And many ways...many paths to what you call God. That her path might be something else and when she gets there she might call it the light. But her loving, and her kindness, and her generosity brings her to the...same point that it brings you...”

www.youtube.com/watch?v=4201940334

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 83



**The First Beast**  
Revelation 13:1-10

- 8. His time of authority (5b)
- 9. His blasphemies (6)
- 10. His persecution of God's people (7a)
- 11. His global jurisdiction (7b)
- 12. His unregenerate audience (8)
- 13. **His oppressive influence (9-10)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 84

**Revelation 1:19**

“Therefore write the things which you have seen, and the things which are, and the things which will take place after these things [*meta tauta*].”



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 85

Revelation 1:19

- Seen (Chapter 1)
- Are (Chapters 2-3)
- After these things (Chapters 4-22)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 86




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 87

DESCRIPTION OF THE SEVEN CHURCHES		
Revelation 2-3		
CHURCH	SCRIPTURE	DESCRIPTION
Ephesus	2:1-7	Loveless
Smyrna	2:8-11	Persecuted
Pergamum	2:12-17	Compromised
Thyatira	2:18-29	Corrupt
Sardis	3:1-6	Dead
Philadelphia	3:7-13	Missionary
Laodicea	3:14-22	Man-centered

---

---

---

---

---

---

---

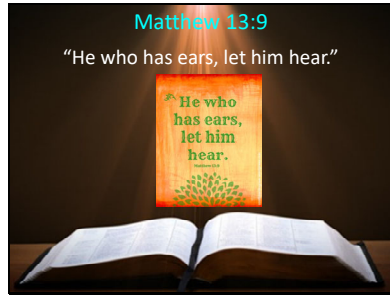
---

---

---

---

Slide 88



---

---

---

---

---

---

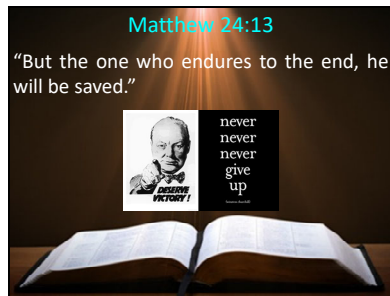
---

---

---

---

Slide 89



---

---

---

---

---

---

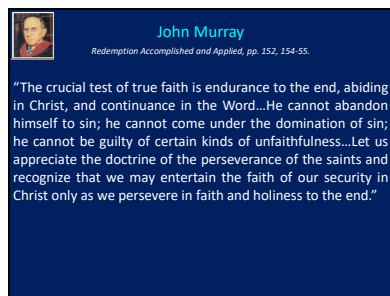
---

---

---

---

Slide 90



---

---

---

---

---

---

---

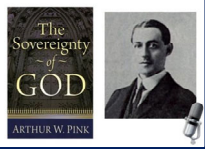
---

---

---

Slide 91

A. W. Pink  
*Practical Christianity*, p. 16



"Readers, if there is a reserve in your obedience, you are on your way to hell."

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 92

John Piper  
John Piper and Pastoral Staff, "TULIP: What We Believe about the Five Points of Calvinism." Position Paper of the Pastoral Staff (Desiring God Ministries, 1997), 25, cited in Dave Hunt, *What Love is This?*, 379.



"No Christian can be sure that he is a true believer. Hence, there is an ongoing need to be dedicated to the Lord and to deny ourselves so that we might make it."

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 93



John MacArthur  
*Saved Without A Doubt*, p. 177

"If a person fails to love and obey the Lord through the trials of life, then there is no evidence that he possesses saving faith. How many people do you know who came to church for a while, had a little trouble in their lives, and left? Although they may have made a profession of faith in Christ, they cannot be identified as those who love Him because their lives are not characterized by enduring obedience."

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 94



**R.C. Sproul – Bob Wilkin as quoted in:**  
<http://www.greatbookscollege.org/resources/766/ww/ww/AdultHome.org/L1/ThomasSecurity12.htm>

“During the first message presented at Ligonier’s Conference in Orlando last June, Dr. R. C. Sproul indicated that Dr. James Boice, a scheduled speaker at the conference, was dying in faith that very night. Then at the end of the message he asked all 5,000 of us present to pray that Jim dies in faith. This struck me as sad. Here was a great pastor, theologian, teacher, and author. Yet Sproul was not sure that he was regenerate. (In Reformed thought, if a person fails to die in faith, he proved he was never saved in the first place.) I was reminded of R.T. Kendall’s remark that nearly to a man the Puritan divines died doubting whether they were saved and fearing they were going to hell. Dr. Boice died that very night, June 15th.”

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 95

**Cardinal John O’Connor of NY**  
quoted in Samuel Howe Verheoven, Cardinal Defends a Jailed Bishop Who Warned Cuomo on Abortion, New York Times, February 1, 1996.



“Church teaching is that I don’t know, at any given moment, what my eternal future will be... I can hope, pray, do my very best – but I still don’t know. Pope John II doesn’t absolutely know that he will go to heaven, nor does mother Theresa of Calcutta, unless either has had a special divine revelation.”

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

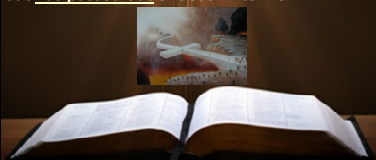
---

---

Slide 96

**John 5:24**

“Truly, truly, I say to you, he who hears My word, and believes Him who sent Me, has eternal life, and does not come into judgment, but has passed out of death into life.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---

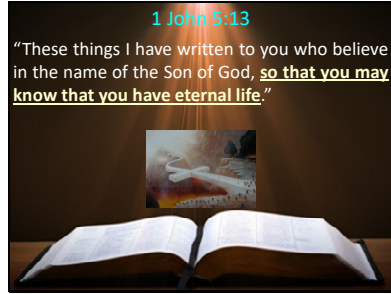
---

---

---



Slide 97



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 98



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 99



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 100

Revelation 1:19

- Seen (Chapter 1)
- Are (Chapters 2–3)
- After these things (Chapters 4–22)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 101

Conclusion

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 102



The First Beast  
Revelation 13:1-10

1. His sudden appearance in John’s vision (1a)
2. His Gentile ethnicity (1b)
3. His fulfillment of Daniel’s prophecies (1c-2a)
4. His Satanic empowerment (2b)
5. His resurrection (3)
6. His power-based adoration (4)
7. His oratory (5a)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 103



The First Beast  
Revelation 13:1-10

- 8. His time of authority (5b)
- 9. His blasphemies (6)
- 10. His persecution of God's people (7a)
- 11. His global jurisdiction (7b)
- 12. His unregenerate audience (8)
- 13. His oppressive influence (9-10)

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 104



"The LORD bless you and keep you; the LORD make his face shine on you and be gracious to you; the LORD turn his face toward you and give you peace." (NIV)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

### 3

Exod. 7:21-22- <sup>21</sup> The fish that *were* in the Nile died, and the Nile became foul, so that the Egyptians could not drink water from the Nile. And the blood was through all the land of Egypt. <sup>22</sup> But the magicians of Egypt did the same with their secret arts; and Pharaoh's heart was hardened, and he did not listen to them, as the LORD had said.

Exod. 8:6-7- <sup>6</sup> So Aaron stretched out his hand over the waters of Egypt, and the frogs came up and covered the land of

Egypt. <sup>7</sup> The magicians did the same with their secret arts, making frogs come up on the land of Egypt.

Exod. 8:17-19- <sup>17</sup> They did so; and Aaron stretched out his hand with his staff, and struck the dust of the earth, and there were gnats on man and beast. All the dust of the earth became gnats through all the land of Egypt. <sup>18</sup> **The magicians tried with their secret arts to bring forth gnats, but they could not**; so there were gnats on man and beast. <sup>19</sup> Then the magicians said to Pharaoh, “**This is the finger of God.**” But Pharaoh’s heart was hardened, and he did not listen to them, as the LORD had said.

Rev. 20:4-5- <sup>4</sup> Then I saw thrones, and they sat on them, and judgment was given to them. And I saw the souls of those who had been beheaded because of their testimony of Jesus and because of the word of God, and those who had not worshiped the beast or his image, and had not received the mark on their forehead and on their hand; and **they came to life** and reigned with Christ for a thousand years. <sup>5</sup> The rest of the dead did not **come to life** until the thousand years were completed. This is the first resurrection.

1 Sam. 16:7-But the Lord said to Samuel, “Do not look at his appearance or at the height of his stature, because I have rejected

him; for God sees not as man sees, for man looks at the outward appearance, but the Lord looks at the heart.”

## 5

Dan. 7:8-While I was contemplating the horns, behold, another horn, a little one, came up among them, and three of the first horns were pulled out by the roots before it; and behold, this horn possessed eyes like the eyes of a man and **a mouth uttering great boasts**.

Dan. 7:11-Then I kept looking because of the sound of **the boastful words** which the horn was speaking; I kept looking until the beast was slain, and its body was destroyed and given to the burning fire.

Dan. 7:20-and *the meaning* of the ten horns that *were* on its head and the other *horn* which came up, and before which three of *them* fell, namely, that horn which had eyes and **a mouth uttering great boasts** and which was larger in appearance than its associates.

Dan. 7:25-**He will speak out against the Most High** and wear down the saints of the Highest One, and he will intend to make alterations in times and in law; and they will be given into his hand for a time, times, and half a time.

Matt. 12:34-You brood of vipers, how can you, being evil, speak what is good? For the mouth speaks out of that which fills the heart.

Matt. 12:36- But I tell you that every careless word that people speak, they shall give an accounting for it in the day of judgment.

Erwin Lutzer: “Earnest Pretzsche...introduced him [Hitler] to a psychedelic drug that produced clairvoyant visions and heightened spiritual perceptions. In this way he was empowered to perform the deeds that he believed fate had decreed. Even those who knew Hitler from his early days were well aware of his occult powers. August Kubizek, a friend, said, ‘It was as if another being spoke out of his body.... It was not a case of a speaker carried away by his own words...I felt as though he himself listened with astonishment and emotion to what broke forth from him.’” Erwin W. Lutzer, *Hitler's Cross: How the Cross Was Used to Promote the Nazi Agenda* (Chicago: Moody, 2016), 83.

Rev. 11:2-Leave out the court which is outside the temple and do not measure it, for it has been given to the nations; and they will tread under foot the holy city for **forty-two months**.

Rev. 11:3-And I will grant *authority* to my two witnesses, and they will prophesy for **twelve hundred and sixty days**, clothed in sackcloth.”

Rev. 12:6-Then the woman fled into the wilderness where she

had a place prepared by God, so that there she would be nourished for **one thousand two hundred and sixty days**.

Rev. 12:14-But the two wings of the great eagle were given to the woman, so that she could fly into the wilderness to her place, where she was nourished for a time and **times and half a time**, from the presence of the serpent.

Dan. 12:7-I heard the man dressed in linen, who was above the waters of the river, as he raised his right hand and his left toward heaven, and swore by Him who lives forever that it would be for **a time, times, and half a time**; and as soon as they finish shattering the power of the holy people, all these *events* will be completed.

Dan. 7:25-He will speak out against the Most High and wear down the saints of the Highest One, and he will intend to make alterations in times and in law; and they will be given into his hand for a time, times, and half a time.

## **6**

Rev. 4:9- And when the living creatures give glory and honor and thanks to Him who sits on the throne, to Him who lives forever and ever

Rev. 5:6-7-<sup>6</sup> And I saw between the throne (with the four living creatures) and the elders a Lamb standing, as if slain, having seven horns and seven eyes, which are the seven Spirits of God, sent out into all the earth. <sup>7</sup> And He came and took the book out of the right hand of Him who sat on the throne.

Isa. 29:23-But when he sees his children, the work of My hands, in his midst, **They will sanctify My name**; Indeed, they will sanctify the Holy One of Jacob And will stand in awe of the God of Israel.

Ezek. 36:23-**I will vindicate the holiness of My great name which has been profaned among the nations, which you have profaned in their midst.** Then the nations will know that I am the Lord,” declares the Lord God, “when I prove Myself holy among you in their sight.

Rev. 11:19-And the temple of God which is in heaven was opened; and the ark of His covenant appeared in His temple, and there were flashes of lightning and sounds and peals of thunder and an earthquake and a great hailstorm.

Rev. 15:5- After these things I looked, and the temple of **the tabernacle** of testimony in heaven was opened.



Heb. 8:5-who serve a copy and shadow of the heavenly things, just as Moses was warned by God when he was about to erect the tabernacle; for, “See,” He says, “that you make all things according to the pattern which was shown you on the mountain.”

Rev. 5:11-Then I looked, and I heard the voice of **many angels** around the throne and the living creatures and the elders; and the number of them was myriads of myriads, and thousands of thousands

Rev. 7:11-And all the **angels** were standing around the throne and around **the elders** and **the four living creatures**; and they fell on their faces before the throne and worshiped God

Rev. 1:20-As for the mystery of the seven stars which you saw in My right hand, and the seven golden lampstands: the seven stars are the angels of the seven churches, and **the seven lampstands are the seven churches.**

Rev. 4:5-Out from the throne come flashes of lightning and sounds and peals of thunder. And *there were* **seven lamps of fire burning before the throne,** which are the seven Spirits of God.

Dan. 7:21-I kept looking, and that horn was waging war with the **saints** and **overpowering them**.

Rev. 5:9-And they sang a new song, saying, “Worthy are You to take the book and to break its seals; for You were slain, and purchased for God with Your blood *men* from **every tribe and tongue and people and nation**.”

Rev. 7:9- After these things I looked, and behold, a great multitude which no one could count, from **every nation and all tribes and peoples and tongues**, standing before the throne and before the Lamb, clothed in white robes, and palm branches *were* in their hands.

Rev. 17:15-And he said to me, “The waters which you saw where the harlot sits, are **peoples and multitudes and nations and tongues**.

1 John 2:2-and He Himself is the propitiation for our sins; and **not for ours only, but also for *those of the whole world***.

Rev. 7:9-After these things I looked, and behold, a great multitude which no one could count, from **every nation and all tribes and peoples and tongues**, standing before the

throne and before the Lamb, clothed in white robes, and palm branches *were* in their hands.

## 8

Rev. 20:15- And if anyone's name was not found written in the book of life, he was thrown into the lake of fire.

## Conclusion

Num. 6:24-26-The Lord bless you, and keep you; The Lord make His face shine on you, And be gracious to you; The Lord lift up His countenance on you, And give you peace.'